दृष्टि *The Vision*

Permission for Previous Test
Nehru Vihar

सामान्य अध्ययन (टेस्ट - I) 01/10/17

GENERAL STUDIES (Test - I)

VK a-9

मॉड्यूल - I / Module - I

DTVF/17-M-GS1

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

नाम (Name): Arvind Pratap Singh

क्या आप इस बार मुख्य परीक्षा दे रहे हैं? हाँ ✓ नहीं

मोबाइल नं. (Mobile No.):

ई-मेल पता (E-mail address):

टेस्ट नं. एवं दिनांक (Test No. & Date):

रोल नं. [यू.पी.एस.सी. (प्रा.) परीक्षा-2017] [Roll No. UPSC (Pre) Exam-2017]:

0	5	0	6	0	7	3

परीक्षा का माध्यम (Medium of Exam.): हिन्दी

विद्यार्थी के हस्ताक्षर (Student's Signature): अरविन्द

नोट: प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश अंतिम पृष्ठ पर संलग्न है।

Evaluation Analysis

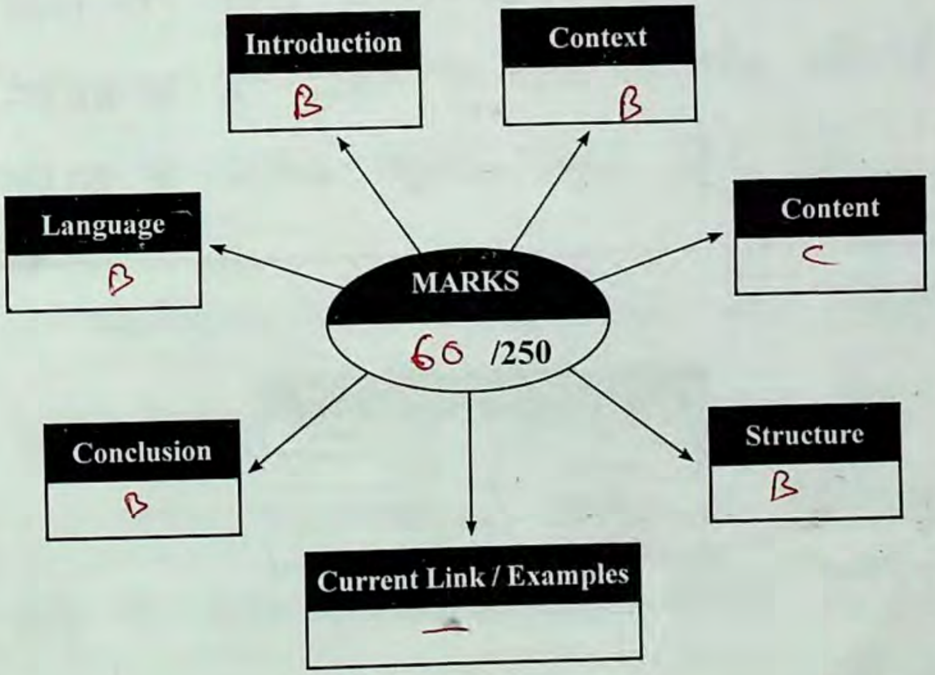

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

व्यापक विश्लेषण / Macro Analysis

- विषय-वस्तु को और उन्नत करें।
- भूमिका और निष्कर्ष में सुधार करें।
-
-

Grade Card	
Grade 'A'	Very Good
Grade 'B'	Good
Grade 'C'	Satisfactory
Grade 'D'	Poor

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

1. "बंगाल के राष्ट्रवादी कलाकार कला की एक ऐसी विधा की ओर उन्मुख हुए जिसने राष्ट्र के प्राचीन मिथकों एवं जनश्रुतियों को विभिन्न चित्रात्मक तत्त्वों को मिश्रित करके एक नवीन भारतीय शैली को जन्म दिया, जो पूर्वी दुनिया के आध्यात्मिक रंग में रंगी हुई थी।" उक्त कला के तत्त्वों के आधार पर कथन का विवेचन कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The nationalist artists of Bengal were oriented towards such kind of knowing of the art that generated a new genre by mixing ancient myths and legends of the nation with various pictorial elements, that was painted in the spiritual color of the Eastern World." Discuss statement on the basis of the elements of above art. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

1905 ई० के बंग-भंग विरोधी और स्वदेशी आंदोलन ने राष्ट्रवादी कला की एक नई विधा को जन्म दिया। यह कला पारम्परिक, लोक चित्र कला शैलियों से भिन्न तो थी ही, साथ ही साथ राजा रवि वर्मा की पश्चिम प्रेरित नई शैली से बिल्कुल भिन्न थी। वास्तव में चित्रकला का यह स्कूल नवजागरण की चेतना से युक्त था और पश्चिमी सभ्यता के बरक्स अपनी पहचान खोज रहा था।

अबनीन्द्रनाथ टैगोर, नंदलाल बोस और रवीन्द्रनाथ टैगोर ने इस कला-आंदोलन का नेतृत्व किया। राजा रविवर्मा के आभूषण सज्जित व लिथोग्राफ शैली के चित्रों के विपरीत यहाँ साज-सज्जा

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

कम थी और सौंदर्य के प्रतिमान भारतीय थे। उदाहरण के लिए गौरहर वस्त्रों में भारतमाता का चित्र या बाद में 1943 ई० के अकाल पर नंदलाल बोस का स्केच।

इस राष्ट्रवादी कला आंदोलन की प्रमुख विशेषताएं थी- प्राचीन मिथकों और जनश्रुतियों का प्रयोग, आध्यात्मिक छाया, मानवतावाद, हल्के रंगों का प्रयोग और नवजागरण की चेतना। मानव-आकृतियों में सहज गोलाई युक्त नैन नक्श, हल्के रंगों का प्रयोग और भारतीय प्रकृति का सान्निध्य इन चित्रों में देखने को मिलता है।

परवर्ती कला के विकास में अर्थात ए.के. हल्दार, प्रगतिशील कला आंदोलन के फ्रांसिस न्यूटन सूजा, सैयद हैदर रजा आदि पर इस प्रभाव को देखा जा सकता है।

निष्कर्ष ?

3

बंगाल शैली के प्रभावों की स्पष्ट चर्चा करें

बंगाल शैली के मूल तत्वों की और स्पष्ट चर्चा करें
· आव रंगों का का प्रयोग
· काल्पनिकता और निश्चितता का समावेश
· पौराणिक कथाओं का चित्रण

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiias.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1½	1	0.5	—	—	
Grade	C	B+	C	B	—	—	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

2. "भक्तिकाल से रीतिकाल की ओर प्रस्थान की जो झलक तत्कालीन साहित्य में मिलती है, वह वास्तव में सिद्धांत और व्यवहार में सामाजिक विचारों को दर्शाती है, जो जनता की आशा-आकांक्षाओं और चित्तवृत्ति का प्रत्यक्ष प्रतिबिम्ब है।" व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The glimpse of the shifting from Bhaktikal to Reetikal, which reflects in the literature of that time, actually portrays social notion in principle and practice, which is a direct reflection of the common man's expectations aspirations and imaginations." Explain. (250 words) 12.5

16वीं सदी के उत्तरार्द्ध से भक्तिकाल के अवसान और रीतिकाल के उदय के लक्षण प्रकट होने लगते हैं। यह परिवर्तन तत्कालीन सामाजिक-राजनैतिक स्थिति और जनता की मनोवृत्ति में परिवर्तन का ही प्रत्यक्ष प्रभाव था।

बिहारी (बिहारी सतसई), केशवदास, मतिराम, देव, पद्माकर जैसे कवियों ने रीतिकालीन साहित्य-निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की। सामाजिक-राजनैतिक रूप से इस समय तक मुगल साम्राज्य स्थायी हो चुका था और राजे-रजवाड़ों और सामंत वर्ग के पास न तो धन-ऐश्वर्य की कमी थी और न युद्ध लड़ने की कोई जरूरत।

भक्तिकालीन साहित्य के मूल तत्वों की चर्चा करें।

जन समाज और साहित्यप्रेमी वर्ग भी भक्तिसाहित्य

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

की आध्यात्मिकता और धार्मिकता से हटकर नई सांसारिक प्रवृत्तियों की इच्छा करने लगा। रीति साहित्य में पुनः मानव को केंद्र में रखा गया और नायक-नायिका वर्णन, नख-शिख, चमत्कारप्रियता, भाषा का आलंकारिक प्रयोग जैसी प्रवृत्तियाँ देखने को मिलती है।

रीतिसाहित्य में उस समाज का भी प्रतिबिम्ब हमें अंधविश्वासों से लेकर पारिवारिक जीवन के चित्रों, ज्योतिष, राजदरबारों के दृश्यों, चित्रकला-संगीत-स्थापत्य से निकटता में दिखता है। दरबारों से बाहर प्रेम का स्वाभाविक चित्रण करने वाली रीतिमुक्त काव्यधारा और भूषण, सूदन की वीरकाव्यधारा के साथ-साथ भक्ति व नीति कविता में हमें तत्कालीन आशा-आकांक्षाओं और चित्तवृत्ति का स्पष्ट प्रतिबिम्ब देखने को मिलता है।

—x—

निष्कर्ष?

रीति कालीन साहित्य के मूल तत्वों की और स्पष्ट चर्चा करें।

हिन्दी साहित्य पर प्रभावों को भी लिखें।

2½

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.5	1	1	0.5			
Grade	B	C	B	B			

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

3. 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' सांस्कृतिक विविधता एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति के महत्त्वपूर्ण अवयव के रूप में पहचानी जाती है, जो भूतकाल की परंपराओं के साथ-साथ समकालीन प्रथाओं को भी आत्मसात करती है। उक्त कथन को स्पष्ट करते हुए यूनेस्को द्वारा भारत में पहचाने गए ऐसे प्रतिनिधि विरासतों की चर्चा कीजिये। (250 शब्द) 12.5

'Intangible Cultural Heritage' is recognised as the important component of cultural diversity and creative expression which assimilates contemporary practices along with the traditions of the past. Discuss such representative heritages identified by UNESCO in India while explaining the above statement. (250 words) 12.5

चित्रकला, मूर्तिकला और स्थापत्य जैसे मूर्त लक्षणों के विपरीत 'अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' में पारम्परिक ज्ञान और विविधता को अमूर्त रूपों यथा नृत्य, संगीत, कथावाचन, कौशल-कला आदि में पहचान मिलती है।

स्वाभाविक है कि इन अमूर्त सांस्कृतिक विरासतों में भारत की विविधता, सांस्कृतिक प्रसार के साथ-साथ जनजातीय, पारम्परिक और समकालीन प्रभावों की झलक मिलती है। 'विश्व विरासत स्थलों' की तरह यूनेस्को इन अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की पहचान के माध्यम से इनके संरक्षण का प्रयास करता है।

भारत में राजस्थान का कालबेलिया नृत्य,

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

हिमाचल में रम्मन, केरल में मुदियेट्टु-
लद्दाख का लोसर महोत्सव, उड़ीसा-
-झारखण्ड के छाऊ नृत्य के साथ-साथ
धातुकला व कथावाचन की कई परम्पराएँ
भी इस प्रयास के अंतर्गत चिन्हित की
गई है।

इस प्रकार हम देख सकते हैं कि इनमें
रामकथा की परम्परा, धार्मिक नृत्य, नाट्यकथा,
प्रदर्शन-कलाओं से लेकर कालबेलिया का
घुमंतू नृत्य भी शामिल है। ये अमूर्त सांस्कृतिक
विरासतें स्थिर नहीं होतीं अपितु पारम्परिक
ज्ञान व कला के रूपों में समकालीन जरूरतों
के अनुसार परिवर्तन करती रहती हैं। इसी
लिहाज से इन्हें सांस्कृतिक विविधता और
रचनात्मक अभिव्यक्ति का महत्त्वपूर्ण अवयव
माना जाता है।

अन्य अमूर्त सांस्कृतिक विरासतों की भी चर्चा करें।
!!
· बौद्ध जाप
· संकीर्तन
· योग
· नौरोज़

3½

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1½	1	0.25	—	0.25	
Grade	B	B	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

4. किसी भाषा को शास्त्रीय भाषा के रूप में चिह्नित करने वाले मापदंडों की चर्चा कीजिये। इस प्रवर्ग में शामिल भाषाओं का उल्लेख करते हुए इसके लाभ बताइये। (250 शब्द) 12.5

Discuss the parameters that identify a language as classical language. Describe it's benefits while mentioning the languages included in this category. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत जैसे बहुभाषी देश में सांस्कृतिक विविधता को भाषागत आधार पर भी परिभाषित किया जा सकता है। हमारे संविधान में 8वीं अनुसूची के अंतर्गत 22 भाषाओं को पहचान मिली है, जबकि 300 से अधिक भाषाओं को भाषाविद प्रचलित भाषा के रूप में मान्यता देते हैं।

इतनी भाषाओं के मध्य शास्त्रीय भाषा का दर्जा एक सम्मानजनक पद है। इस दर्जे के प्रमुख मापदण्ड निम्नवत हैं:-

1. भाषा लम्बे समय से प्रचलन में हो अर्थात लगभग 5 शताब्दियों से अधिक का प्रचलन हो।
2. भाषा में समृद्ध साहित्य उपलब्ध हो।
3. भाषा में साहित्य-निर्माण की अनवरत परम्परा

साहित्य अकादमी के सन्दर्भ में मापदंडों की और चर्चा करें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

रही हो।

4. भाषा का सुनिश्चित व्याकरण और लिखित रूप हो।

5. भाषा का स्वरूप सापेक्षिक रूप से स्थिर हो अर्थात उसमें अत्यधिक परिवर्तन न हुए हो।

इन्ही मापदण्डों के आधार पर संस्कृत, तमिल, तेलुगू, कन्नड, मलयालम और ओड़िया के क्लासिक भाषा का दर्जा दिया गया है।

शास्त्रीय दर्जा मिलने से किसी भाषा को निम्न लाभ मिलते हैं-

1. भाषा की पहचान, आत्मसम्मान में वृद्धि होती है।

2. केंद्र सरकार द्वारा भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए सहायता एवं अनुदान की व्यवस्था।

3. अकादमियों, विश्वविद्यालयों में विभागों आदि की स्थापना।

4. भाषा व साहित्य के संरक्षण के प्रयास।

5. रोजगार अवसरों का सृजन।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि
The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इन्हीं अवसरों के कारण प्रायः भाषाओं को शास्त्रीय दर्जा देने की मांग सुनाई देने लगती है। सरकार को इस दिशा में अकादमी व संस्थानों की विशेषज्ञ सलाहों के उपरांत ही कदम उठाना चाहिए।

—X—

प्रभावी निष्कर्ष लिखें

अच्छा प्रयास

5½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1½	0.75	—	0.75	✓
Grade	B	B+	B	B	—	B	✓

Copyright - Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

5. 'वसुधैव कुटुम्बकम' की विश्व बंधुत्व की धारणा सभी पंथों व नस्लों को सौहार्द्रता के साथ जीने का आधार प्रदान करती है, लेकिन वर्तमान में यजदी समुदाय जिस शोषण व हिंसा का शिकार है, वह कहीं-न-कहीं इस धारणा पर प्रश्नचिह्न लगाता है। यजदी समुदाय के धार्मिक विश्वासों का उल्लेख करते हुए उक्त कथन की व्याख्या कीजिये। (250 शब्द) 12.5

The notion of universal brotherhood of 'Vasudhaiva Kutumbkam' provides the base to all sects and races for living together with harmony. But at present the exploitation and violence, which Yazidi community is facing are putting somewhere a question mark on this notion. Describe the statement given above while mentioning the religious beliefs of the Yazidi Community. (250 words) 12.5

"अयं निजः परोवेति गणनां लघुचेतसाम्।
उदारचरितानां तु वसुधैव कुटुम्बकम्॥"

यह विश्वबंधुत्व की धारणा आज 'सभ्यताओं के संघर्ष' के समय में अति महत्वपूर्ण हो गई है। इस संघर्ष के मूल में स्वयं के विश्वासों को एकमात्र सत्य और अपने से भिन्न लोगों को अपना विरोधी मानने की ही प्रवृत्ति है।

अर्थात असहिष्णुता ही इस संघर्ष के मूल में है। कुर्द, यज़ीदी, बास्क, फिलिस्तीनी और जनजातियों के संदर्भ में हम इस समस्या को देख सकते हैं।

यज़ीदी समुदाय मध्य-पूर्व की जातिगत हिंसा का शिकार है। मुस्लिम धर्म से अलग

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

मान्यताएँ होने, कोई राष्ट्र न होने और अल्पसंख्यक होने के चलते इन्हें भेदभावों का सामना तो करना ही पड़ता था पर अब इस्लामिक स्टेट (ISIS) जैसे प्रतिवादी तत्वों के आ जाने से इन्हें नरसंहार जैसी स्थिति का सामना करना पड़ रहा है और यजीदी महिलाओं को भी घृणित अत्याचारों का शिकार बनाया जा रहा है।

इन प्रतिवादी तत्वों द्वारा यजीदियों को शैतान के उपासक के रूप में प्रचारित किया जा रहा है यह सच है कि यजीदी कुरान या बुद्ध की इस्लामी व्याख्या को नहीं मानते।

आज मानवता को इन अत्याचारों के परिप्रेक्ष्य में विविधता का स्वीकार करने और सौहार्द्रता, सहिष्णुता के मूल्यों को पुनः अपनाने की आवश्यकता है।

यजीदी के धार्मिक मान्यताओं की ... त्वरित चर्चा करें

वसुधैव कुटुंबकम के औचित्य की ओर संकेत चर्चा करें

3

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.5		0.25	
Grade	B	C	C	B	—	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

6. "देश का बँटवारा एक ऐसी सांप्रदायिक राजनीति का आखिरी बिन्दु था, जो 19वीं शताब्दी के अंतिम दशकों में शुरू हुआ।" परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Partition of the country was the end point of communal politics that started in the last decades of 19th century." Examine. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारत-विभाजन जिस साम्प्रदायिक राजनीति की परिणति था, वह 19वीं सदी के अंतिम दशकों में ही प्रारम्भ हो गई थी। हम देखते हैं कि 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में हिन्दू-मुस्लिम दोनों ने सहयोग और संगठन से अंग्रेजों का प्रतिरोध किया।

इस संगठन और सहयोग को देखते हुए और वहाबी आंदोलन आदि के समय तो पहले अंग्रेजों ने मुस्लिमों के दमन का प्रयास किया परन्तु जैसे-जैसे शिक्षित मध्यवर्ग और राष्ट्रवाद के उभार के चिह्न दिखने लगे, अंग्रेजों ने 'फूट डालो और राज करो' की नीति के अंतर्गत मुस्लिमों को संरक्षण के माध्यम से पृथकतावाद की ओर धकेला। सर सैयद अहमद खान और अलीगढ़ आंदोलन में यह प्रवृत्ति देखने को मिलती है।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इसके कि 1875 में स्थापित आर्य समाज व अन्य आंदोलनों में हमें पुनरुत्थानवादी चेतना- प्राचीन हिन्दू इतिहास के महिमामंडन, धार्मिक प्रतीकों के इस्तेमाल- और मध्यकाल को गौण मानने की प्रवृत्ति देखने को मिलती है।

आर्थिक रूप से देखें तो ब्रिटिश आर्थिक नीतियों के कारण कृषि के साथ-साथ लघु व कुटीर उद्योगों का भी विनाश हो गया। मध्यवर्ग के लिए सरकारी नौकरियाँ ही एकमात्र अवसर थीं। इन नौकरियों के लिए प्रतिस्पर्धा ने भी सांप्रदायिकता को हवा दी।

19 वीं सदी के अंतिम दशकों तक स्पष्ट होने लगा कि अपेक्षाकृत रूप से मुस्लिमों में पश्चिमी शिक्षा का प्रसार धीमा है। इससे मुस्लिमों में मध्यवर्ग का विकास धीमा हो गया और सामंती तत्वों का प्रभाव बना रहा। इन तत्वों ने ही इस सांप्रदायिक राजनीति

(Right margin annotation: · मुस्लिम लीग की स्थापना · लखनऊ समझौता · कम्यूनल अवार्ड · विभिन्न रिपोर्ट आदि बिन्दुओं की भी चर्चा करें)

(Left margin annotation: भारत के सांस्कृतिक एवं राजनीति पर इसके प्रभावों की स्पष्ट चर्चा करें)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

को हवा दी, जो विभाजन में परिणत हुई

8

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.5	—	0.5	
Grade	B	C	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

7. "राष्ट्रीय आंदोलन के विभिन्न कालखंडों में किसानों की मांगों के प्रति कांग्रेस के दृष्टिकोण में भारी विविधता दृष्टिगत होती है।" स्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"There is a huge diversity can be observed in the Congress's stand-point towards the demand of the peasants in different time segments of the national movement." Explain. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

नील विद्रोह, दक्कन उपद्रव, पाबना विद्रोह और प्रारम्भिक मोपला विद्रोहों के बावजूद किसान आंदोलन 19वीं सदी में राष्ट्रीय धारा की प्रमुख आवाज नहीं बन सके। 19वीं सदी में राष्ट्रीय आंदोलन शिक्षित मध्यवर्ग के हाथों में मुख्यतः उनकी ही मांगों के रूप में था।

इस रूप में किसानों और कृषि की दुरवस्था पर चर्चा तो होती थी पर इसे दूर करने या विद्रोहों-आंदोलनों को मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयास नहीं दिखते हैं।

बीसवीं सदी में भूराजस्व की दरों, महाजनों के ऋणजाल, हथकरघा उद्योगों के नष्ट होने, कृषकों की दयनीय स्थिति और अकाल जैसे

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

मुद्दे केंद्र में आने लगे। महात्मा गांधी के चम्पारण सत्याग्रह, पटेल के नेतृत्व में खेड़ा और बारदोली सत्याग्रह, नेहरू की अवध के किसान आंदोलनों में सहभागिता देखने को मिलती है।

1930 के दशक में समाजवादी विचारों के प्रसार ने राष्ट्रीय आंदोलन की कृषक सम्बन्धी नीतियों में भी बदलाव किया। 1931 ई के कराची अधिवेशन और 1936 ई के फैजपुर अधिवेशन में ऋणमाफी, महाजनों पर नियंत्रण, लगान में कमी, छोटी जोतों को लगानमुक्त बनाने और सिंचाई के विकास पर प्रस्ताव पारित किए गए।

यद्यपि कि राष्ट्रीय आंदोलन की मुख्यधारा ने किसानों के मुद्दों को सर्वाधिक वरीयता देते हुए भी हिंसा को कभी समर्थन नहीं दिया। तेभागा और तेलंगाना आंदोलनों को समर्थन न

(Margin note: विभिन्न काल क्रम जैसे — · 1885 — 1917, · 1917 — 193.., · 1936 — 1947 के मध्य किसानों के प्रति कांग्रेस के बदलते दृष्टिकोण की ओर ध्यान क्यों नहीं?)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

देना यही प्रदर्शित करता है। भारतीय समाज के अंदर वर्ग-संघर्ष की मान्यता को राष्ट्रीय आंदोलन ने कभी स्वीकार नहीं किया।

विभिन्न कालखण्डों में कांग्रेस के दृष्टिकोण को इसी संदर्भ में देखा जा सकता है।

3½

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1½	1	0.25	—	0.25	
Grade	B	B	C	B	—	B	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

8. औपनिवेशिक अर्थतंत्र ने किस प्रकार आदिवासी विद्रोहों के प्रस्फुटन की पृष्ठभूमि का निर्माण किया? पूर्वी भारत के आदिवासी विद्रोहों का उदाहरण लेते हुए उत्तर दीजिये। (250 शब्द) 12.5

How colonial economy build background of eruption of tribal revolts? Explain above statement by citing the examples of tribal revolts in eastern India. (250 words) 12.5

ब्रिटिश काल में आदिवासी भारत के भिन्न-भिन्न भागों में स्वनिर्भर समाज के रूप में पाए जाते थे। औपनिवेशिक अर्थतंत्र ने प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के लिए इन समाजों में विक्षेप उत्पन्न करना प्रारम्भ कर दिया।

औपनिवेशिक अर्थतंत्र ने निम्न प्रकार से इस विद्रोह और प्रस्फुटन की पृष्ठभूमि तैयार की -

1. आदिवासियों के सामुदायिक जीवन में हस्तक्षेप।
2. प्राकृतिक संसाधनों पर आदिवासियों के अधिकार को न मानना और उनके इस्तेमाल पर रोक।
3. प्रशासनिक हस्तक्षेप।
4. आदिवासी जमीन को जमींदारों को हस्तांतरण।
5. लगान व ऋण का चक्र।
6. महाजनों व सूदखोरों का शोषण।

अलग-अलग क्षेत्रों पर औपनिवेशिक नीतियों के प्रभावों की ओर स्पष्ट चर्चा करें।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

7- बाहरी ~~आबादी~~ को लाकर बसाना।

इन्हीं वजहों से आदिवासियों विशेषकर पूर्वी भारत में भील, कोल, संथाल व मुण्डा उलगुलान जैसे विद्रोह हमें 19वीं सदी में देखने को मिलते हैं। इनमें सीदो और कान्हू के नेतृत्व में संथाल विद्रोह और 1899 ई. में बिरसा मुण्डा के नेतृत्व में मुण्डा उलगुलान विद्रोह प्रमुख हैं।

अन्य विद्रोहों के विपरीत इनमें सांगठ- एकता, हिंसा और अंधविश्वास जैसे तत्व भी देखने को मिलते हैं। अंग्रेजों ने इन विद्रोहों का निर्ममतापूर्वक दमन किया परन्तु धीरे-धीरे आदिवासी समाजों ~~के~~ ने संघर्ष से बचने के लिए कम हस्तक्षेप व सामुदायिक नेतृत्वकर्ता के माध्यम से हस्तक्षेप का सहारा लिया।

अन्य विद्रोहों की भी चर्चा करें।

अच्छा प्रयास

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1½	0.25	—	0.25	
Grade	A	B	C	B	—	B	

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

9. क्या आप मानते हैं कि 18वीं-19वीं शताब्दी में शुरू हुआ भारतीय पुनर्जागरण आंदोलन, भारत में राष्ट्रवाद के अंकुरण की पूर्व शर्त थी? तर्कों द्वारा अपने उत्तर को स्पष्ट कीजिये। (250 शब्द) 12.5

Do you agree that the Indian renaissance movement started in 18th-19th century was the precondition for the germination of nationalism in India. Substantiate your answer with arguments. (250 words) 12.5

जैसा कि हीगल ने कहा है कि पुनर्जागरण के बिना कोई भी प्रबोधन सम्भव नहीं है. वैसे ही कहा जा सकता है कि पुनर्जागरण के अभाव में राष्ट्रवाद का भी उभार संभव नहीं है।

भारत में ब्रिटिश प्राधिपत्य सिर्फ राजनैतिक-सैनिक ही नहीं था अपितु सांस्कृतिक-वैचारिक था। ब्रिटिश अपनी प्रजातिगत और सांस्कृतिक श्रेष्ठता का दावा करते थे और भारत पर शासन को अपनी सांस्कृतिक जिम्मेदारी मानते थे।

18वीं-19वीं सदी में राजा राम मोहन राय, केशव चंद्र सेन, दयानंद सरस्वती, विवेकानंद आदि ने पुनर्जागरण के माध्यम से एक तरफ तो भारतीय संस्कृति की प्राचीनता और श्रेष्ठता

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

का रेखांकन किया, जिससे देशवासियों में गौरव और आत्मसम्मान का संचार हुआ। वहीं पश्चिमी संस्कृति की कमियों को उजागर करने के साथ-साथ पुनर्जागरण के अंतर्गत महान समाज-सुधारकों ने आत्मालोचन भी प्रारम्भ किया। ब्रह्म समाज, प्रार्थना समाज, भारतीय सभा व विधालयों जैसी संस्थाओं के माध्यम से बालविवाह, बहुविवाह, सतीप्रथा, जैसी कुरीतियों को दूर किया गया और विधवा-विवाह, स्त्री शिक्षा को प्रोत्साहन।

भारतीय पुनर्जागरण के माध्यम से ही तर्क, विज्ञान, पश्चिमी शिक्षा, मानवतावाद और आधुनिकतावाद के मूल्यों का प्रसार प्रारम्भ हुआ। इन्हीं मूल्यों के माध्यम से ब्रिटिश औपनिवेशिक तंत्र और शोषण की वास्तविक पहचान की गई।

इसी अर्थ में पुनर्जागरण आंदोलन को

राष्ट्रवाद के उदय के अन्य कारणों की भी चर्चा करें

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन की आवश्यक पूर्वपीठिका माना जाता है।

अच्छा प्रयास

——— x ———

4

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.5	2	1	0.25	—	0.25	
Grade	B	B+	C	B	—	B	

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

10. "यदि भारत औपनिवेशिक शासन के दौर से नहीं गुज़रा होता, तो भारतीय समाज ने अपने मध्यकालीन जड़ता को तोड़कर आधुनिक काल में प्रवेश नहीं किया होता।" कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"If India had not passed through a period of colonial rule, then Indian society would not have broken its medieval numbers and entered into modern era." Critically examine the statement. (250 words) 12.5

उत्तर - औपनिवेशिक विमर्श में यह सबसे विवादित प्रश्न है। एक पक्ष का मानना है कि रेल, तार, डाक, पश्चिमी शिक्षा और आधुनिक प्रशासन से भारत का परिचय अंग्रेजों ने कराया। इस रूप में अंग्रेजों को ही भारत में आधुनिकता का अग्रदूत माना जाना चाहिए।

लेकिन अगर हम गहराई में देखें तो रूस, जापान, चीन जैसे देशों में भी बिना औपनिवेशिक हस्तक्षेप के ही आधुनिकता का विकास सम्भव हुआ है।

वास्तव में 15वीं 16वीं सदी में भारत विश्व का सबसे बड़ा व्यापार केंद्र था। भारत के वस्त्रोद्योग की धाक पूरी दुनिया में थी। अंग्रेजों ने विज्ञान, आधुनिकता, सैन्य श्रेष्ठता व

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

भारतीयों की आपसी श्रेष्ठता का लाभ उठाकर विजय प्राप्त की। पर एक समाज के रूप में व्यापार, वाणिज्य, छोटे उद्योग, प्रशासन की संरचनाएँ हमारे यहाँ विद्यमान थीं। वाणिज्यिक पूँजीवाद (Mercantile Capitalism) का विकास भी भारत में हो चुका था।

ऐसे भी औपनिवेशिक हस्तक्षेप ने भारत के स्वाभाविक विकास को रोककर उस आधुनिकता का मार्ग ही अवरुद्ध किया। भारत का धीरे-धीरे शेष विश्व से परिचय होता और वह भी बाकी दुनिया की तरह आधुनिकता का विकास करता।

शायद यही कारण है कि ब्रिटिश प्रभाव से आई आधुनिकता से आज भी समाज का एक बड़ा हिस्सा कटा हुआ महसूस करता है और कई मध्यकालीन संस्कार हमारे साथ-

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

साथ चले आ रहे हैं।

ऐसे में यह कहना ठीक नहीं होगा कि औपनिवेशिक हस्तक्षेप के अभाव में हम आधुनिक नहीं बनते। आधुनिकता की तार्किक परिणति तक पहुंचना तो अवश्यंभावी है।

मॉडल उत्तर देखें।

प्रश्न की प्रकृति के अनुसार उत्तर की स्पष्ट चर्चा करें।

1

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1	—	0.5	—	—	—
Grade	—	D	—	B	—	—	—

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

11. "गांधी जी के अहिंसात्मक आंदोलन की तपिश ने न केवल सर्वोच्च सत्ता को वार्ता की मेज पर आने को बाध्य किया, अपितु जन-सामान्य के बीच जुझारुपन की भावना को भी तीक्ष्ण किया।" टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The heat of non-violence movement of Gandhiji not only forced the supreme powers to come to the conference table, but also strengthened the fighting spirit among the common masses." Comment. (250 words) 12.5

गाँधी जी के अहिंसात्मक आंदोलन की प्रवधारणा ने आंदोलनों को सर्वथा नवीन अर्थ प्रदान कर दिया। क्योंकि इस अवधारणा में सत्य और अहिंसा साथ-साथ चलते थे और गाँधी जी का स्पष्ट संदेश था कि न किसी से डरो और न ही किसी से घृणा करो।

इस अवधारणा में अहिंसा से ज्यादा से ज्यादा लोग और विशेषकर महिलाएँ आंदोलन से जुड़ती गई। अहिंसा ने इन्हें अत्याचारी को शांतिपूर्वक निष्क्रिय प्रतिरोध से मुकाबला करना सिखाया।

गाँधी जी एक-एक कदम बढ़ते गए। पहले इन्होंने लोगों की सहनशक्ति को बढ़ाया और क्रमश: असहयोग और अवज्ञा के

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

माध्यम से पहले शासन से सहयोग न करने की भावना जगाई और फिर दमनकारी कानूनों का पालन न करने को प्रेरित किया

सत्य और नैतिकता के सिद्धांतों ने नेतृत्व वर्ग में लोगों की आस्था बढ़ाई।

अहिंसात्मक आंदोलन के प्रभाव में करोड़ों लोग आते गए और प्रशासन की शक्ति और प्रभाव धीरे-धीरे कम होता गया। इसीलिए सर्वोच्च सत्ता भी गांधी-इरविन समझौता, गोलमेज सम्मेलन और बाद में क्रिप्स मिशन व कैबिनेट मिशन के रूप में बार-बार वार्ता की मेज पर आने के लिए मजबूर होती रही।

निष्कर्ष ——×——

गांधी जी के रचनात्मक कार्यों एवं संघर्ष - विराम संघर्ष की रणनीति की स्पष्ट चर्चा करें

प्रशासन के लोगों या उसके प्रभावों की और स्पष्ट चर्चा करें

3

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.5	1½	1	0.5	—	—	—
Grade	B	B	C	B			

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

12. "प्रत्येक देश के इतिहास में एक ऐसा समय आता है जब प्रशासनिक व्यवस्था को पूर्णतया विखण्डित करके समय के अनुकूल उसकी कायापलट और पुनर्गठन करना आवश्यक हो जाता है।" लॉर्ड कर्जन के प्रशासनिक नीतियों के संदर्भ में उक्त कथन पर प्रकाश डालें। (250 शब्द) 12.5

"There comes a time in the history of every nation when a need arises to completely shatter the administrative system into pieces to makeover and overhaul it as per the need of the time." Elucidate in the context of administrative policies of Lord Curzon. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

कर्जन ने अपने शासनकाल के दौरान (1899-1905) विदेश और आंतरिक दोनों ही पक्षों पर अपनी छाप छोड़ने की कोशिश की। कर्जन का आंतरिक नीतियों में प्रमुख सिद्धांत था- प्रशासनिक प्रभाव को बढ़ाना।

प्रभावी भूमिका लिखें।

इस समय तक प्रशासनिक सुदृढ़ता की आवश्यकता महसूस की जाती थी जाहिर तौर पर राष्ट्रवादी तत्वों का उभार इसका एक कारण था और विश्वविद्यालय अधि॰, कलकत्ता निगम अधि॰ जैसे प्रयासों से कर्जन नियंत्रण की अपनी शक्ति बढ़ाना चाहता था।

उसने पुलिस सुधार के अंतर्गत पुलिस की संख्या और वेतन बढ़ाए और केंद्रीय गुप्तचर सेवा प्रारम्भ की। न्यायिक क्षेत्र में भी

कर्जन के प्रशासनिक सुधारों की और स्पष्ट चर्चा करें।

• पुलिस आयोग का गठन
• पुरातत्व एवं सर्वेक्षण विभाग की स्थापना
• प्राचीन स्मारक अधिनियम

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

शक्ति के पृथक्करण के सिद्धांत का उसने आगे बढ़ाया।

परन्तु प्रशासनिक विभाजन और कायापलट के लिहाज से देखें तो बंगाल - विभाजन का निर्णय ही महत्वपूर्ण कसौटी बन सकता है। प्रत्यक्ष रूप से कर्जन इसे प्रशासनिक आवश्यकता बताता था।

पर इन सभी प्रयासों में उसे आंशिक सफलता मिली। बंगाल - विभाजन को तो 1911 में रद्द ही कर दिया है। अतः आवश्यकता पड़ने पर प्रशासनिक व्यवस्था के विभाजन और कायापलट की बात कर्जन पर खरी नहीं उतरती।

आज़ादी के समय पटेल ने भी उपनिवेश पद्धति के स्थान पर निरंतरता के साथ परिवर्तन को वरीयता दी थी। कथन को क्रांति के समय पर ज़रूर सच माना जा

संक्षिप्त लिखें।

स्पष्ट लिखें।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

सकता है, जैसे - रूस व चीन में।

3

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1½	1	0.25			
Grade	B	B	C	B			

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि
The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

13. "वर्ष 1962 में भारत पर चीनी आक्रमण मात्र द्विपक्षीय संबंधों में तनावों का परिणाम न होकर, चीन की अंतर्राष्ट्रीय राजनीति से त्यक्ता, अलगाव एवं निराशा की भी उपज थी।" टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"The 1962 China attack on India was not only a result of confrontation in the bilateral relations, but was also resultant of Chinese isolation, separation and disappointment from the world politics." Comment. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

वर्ष 1962 में भारत पर चीनी आक्रमण को द्विपक्षीय सम्बंधों के तनाव के साथ -साथ अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के परिणाम के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

भारत और चीन में सीमा विवाद, तिब्बती शरणार्थियों का मुद्दा, चीन द्वारा तिब्बत के विलय का तथ्य और स्वयं चीनी सत्ता द्वारा आंतरिक समस्याओं से ध्यान हटाने के रूप में 1962 की कार्यवाही को देखा जाना चाहिए।

पर हमें यह भी ध्यान देना चाहिए कि 1948 के बाद से लगातार अंतर्राष्ट्रीय समुदाय चीन के साथ उपेक्षा का व्यवहार करता रहा. विशेषकर पश्चिमी जगत और अमेरिका।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

माओ- त्सेतांग चीन में क्रांतिकारी परिवर्तन के प्रति विश्व की उपेक्षा से चिंतित था। साथ ही साथ पश्चिमी देशों की वजह से चीनी लोकतांत्रिक गणराज्य को संयुक्त राष्ट्र संघ में भी पहचान नहीं मिल रही थी।

ताइवान भाग गए कुओमिंतांग दल की सरकार को संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता मिली हुई थी। ऐसी स्थिति में चीन अपने अस्तित्व और शक्ति का प्रदर्शन करना चाहता था। भारत के विरुद्ध कार्यवाही ने चीन और सोवियत संघ के सम्बंधों को भी प्रभावित किया।

इस प्रकार आंतरिक कारणों के साथ आंतरिक व बाह्य कारकों का भी इस घटना पर प्रभाव था।

—— x ——

कारणों की ओर स्पष्ट चर्चा करें। 'वन चाइना पॉलिसी' का विरोध। कोरियाई युद्ध में चीन की हार

9

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	2	1	0.25	—	0.25	
Grade	A	B+	C	B	—	A	

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

14. 1970 के दशक में वे कौन-सी परिस्थितियाँ विद्यमान थी जिसने एक सशक्त आंदोलन को जन्म दिया? यह आंदोलन अपने किन अंतर्निहित दोषों के कारण सत्ता का विकल्प नहीं बन पाया? (250 शब्द) 12.5

Which conditions were prevailing in the decade of 1970 that gave birth to an empowered movement? Due to what intrinsic flaws this movement could not become an alternative to power? (250 words) 12.5

1970 का दशक भारतीय इतिहास में तीव्र उथल-पुथल और लोकतंत्र की परीक्षा का दौर था एक तरफ 1971 का युद्ध और बांग्लादेश-विजय का उल्लास था, जो 1975 तक आते-आते लोकतंत्र के खतरे में बदल गया था-

तत्कालीन परिस्थितियाँ

1. विपक्ष की संसद में कम उपस्थिति जिससे सत्तापक्ष की मनमानी।
2. लोकतंत्र में तानाशाही प्रवृत्तियों का प्रवेश
3. बढ़ती कीमतें व भ्रष्टाचार, कालाबाजारी, जमाखोरी से जनता की परेशानियाँ बढ़ रही थीं।
4. सामाजिक रूप से बढ़ती बेरोजगारी ने युवाओं में असंतोष को जन्म दिया।
5. सत्तापक्ष द्वारा न्यायालयों के निर्णयों की

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

प्रबंधन।

6. बहुमत के गलत इस्तेमाल से नकारात्मक प्रभाव।

7. विपक्षी दलों का एकजुट होना व जयप्रकाश नारायण का नेतृत्व।

आपातकाल के बाद संपन्न चुनावों में जनता पार्टी के गठबंधन को बहुमत मिला, पर यह प्रयोग जल्दी ही असफल हो गया।

असफलता के कारण

1. सरकारी दलों में एकता का अभाव।
2. कांग्रेस विरोध के अलावा वैचारिक समानता नहीं।
3. नेताओं की महत्वाकांक्षा व प्रतिस्पर्धा
4. काम करने की बजाय बदला लेने की भावना से नकारात्मक छवि बनी।

यही कारण है कि अगले चुनावों में इंदिरा गांधी और कांग्रेस की वापसी हो गई।

ठोस संरचनात्मक कार्यक्रम का अभाव

उद्देश्यों की बहुलता

प्रभावी निष्कर्ष लिखें।

3½

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.75	1½	1½	0.5	—	—	—
Grade	B	B	B	B	—	—	—

Copyright – Drishti The Vision Foundation

15. "छोटे राष्ट्रों को भेड़ियों के आगे डालने से उनको संतुष्ट किया जा सकता है, पर वे यह नहीं समझ सके कि एक बार लहू का स्वाद चख लेने पर तृष्णा कभी पूर्ण नहीं होती, जितना तुष्टीकरण किया जाएगा, उतना ही असंतोष बढ़ेगा।" द्वितीय विश्व युद्ध के संदर्भ में उपर्युक्त कथन का विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Throwing small nations in front of wolves can satisfy them, but they couldn't understand that after once tasting the blood, thirst can never be quenched, the more appeasement will be done, the more dissatisfaction will arise." Analyse the statement in the context of the second world war. (250 words) 12.5

द्वितीय विश्व युद्ध के प्रारम्भ में अपनाई गई तुष्टिकरण की नीति की निरर्थकता पहले से ही स्पष्ट थी। परन्तु स्वार्थवश अन्य यूरोपीय शक्तियों ने इस प्रक्रिया को रोकना जरूरी नहीं समझा।

द्वितीय विश्व युद्ध में धुरी राष्ट्रों के उग्र राष्ट्रवाद, सैन्यवाद, विस्तारवाद ने युद्ध को अवश्यम्भावी बना दिया था। जर्मनी ने पहले राइनलैण्ड पर अधिकार कर लिया और फिर चेकोस्लोवाकिया पर। इसी प्रकार जापान ने चीन के मंचूरिया प्रांत पर पुनः अधिकार कर लिया और रूस को भी अधिकार क्षेत्र में लिया। इटली भी अपनी उपनिवेश

द्वि. w.w के पूर्व तुष्टिकरण की नीति की ओर स्पष्ट चर्चा करें

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

फासिस्ट प्रवृत्तियों को मजबूत करता रहा। पोलैण्ड पर आक्रमण की कार्रवाई से अंततः ब्रिटेन व फ्रांस का हस्तक्षेप अनिवार्य हो गया।

वस्तुतः अन्य महाशक्तियाँ यह समझने में असमर्थ हो गईं कि छोटे राज्यों को जीतना तो विस्तारवादी नीति का भाग है असली युद्ध तो उनसे ही होना था।

तुष्टीकरण द्वारा युद्ध को टालने की नीति का परिणाम हुआ कि युद्ध और प्रबल रूप में और प्रतिद्वंद्वी और मजबूत होकर उनके दरवाजे पर आकर खड़ा हो गया।

तुष्टीकरण करने वाले राष्ट्रों पर प्रभाव को भी और स्पष्ट चर्चा करें।

प्रभाव विस्तार लिखें।

2½

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	—	—	—
Grade	D	C	C	B	—	—	—

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

16. "धुरी राज्यों के धराशाही होते ही मित्र राष्ट्रों के मध्य मित्रता भी समाप्त हो गई तथा उनके बीच तनाव, अविश्वास और घृणा का विकास हुआ जिसकी परिणति शीत युद्ध के रूप में सामने आई।" परीक्षण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"After the collapse of axis powers, friendship among allied powers also ended and tension, distrust and hatred developed among them that culminated into cold war." Examine. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

द्वितीय विश्व युद्ध में मित्र राष्ट्रों की मित्रता स्वाभाविक न होकर परिस्थितिजन्य थी। जब जर्मनी, इटली व जापान का पतन हो गया तो वह परिस्थिति भी समाप्त हो गई जिसने अमेरिका और सोवियत संघ को साथ लाकर खड़ा किया था।

मित्रराष्ट्रों - विशेषकर पश्चिमी देशों और सोवियत संघ के मध्य यह तनाव, अविश्वास और घृणा युद्ध के समय भी अप्रत्यक्ष रूप में विद्यमान थी। सोवियत संघ को प्रतीत हुआ था कि दूसरा मोर्चा खोलने में जानबूझकर देरी की जा रही है।

इस अविश्वास ने दुनिया को दो गुटों - पूंजीवादी गुट और साम्यवादी गुट में

मित्र राष्ट्रों के आपसी संदेह के कारणों की त्वरित चर्चा करें।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

बाँट दिया था और यूरोप में तो एक लोहे की दीवार ही खड़ी कर दी थी। इसी तनाव, अविश्वास और घृणा से शीतयुद्ध का विकास हुआ और जर्मनी का विभाजन, ग्रीस का संकट, कोरियाई-युद्ध शस्त्रीकरण, परमाणु हथियारों का परीक्षण, क्यूबा मिसाइल संकट, वियतनाम युद्ध जैसे परिणाम देखने पड़े।

2½

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	—	—	—
Grade	D	C	C	B	—	—	—

Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. "अमेरिकी क्रांति ने राजनीतिक अभिनव परिवर्तनों की एक शृंखला आरंभ की जो बाद के काल में अत्यंत उपयोगी साबित हुई।" विश्लेषण कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"American revolution started a series of political innovative changes that became very fruitful in the later period." Analyse. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

4 जुलाई 1776 को अमेरिकी क्रांति ने राजनीतिक अभिनव परिवर्तनों की एक नई शृंखला प्रारम्भ की।

तर्क, समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व, संपत्ति के अधिकार और लोकतंत्र जैसे प्रबुद्धवादी विचारों के माध्यम से यह नई राजनीतिक व्यवस्था आकार लेने लगी। इसके प्रमुख लक्षण निम्न थे-

1. संघवाद - राज्यों का आपसी सहमति से साथ आकर संघ बनाना।
2. संविधानवाद - संविधान सर्वोच्च है, लिखित संविधान
3. लोकतंत्रवाद - सीमित मताधिकार पर आधारित
4. गणतंत्रवाद - पहली बार विश्व में।
5. उत्तरदायित्व - 'प्रतिनिधित्व नहीं तो कर नहीं' के तत्कालीन मूल्य से

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

यह उत्तरदायित्व पहले से ही जुड़ चुका था।
अमेरिका के तेजी से होते विकास ने इन मूल्यों को महत्वपूर्ण बना दिया। संपर्क में आई फ्रांसीसी सेना व विचारकों पर भी इनका प्रभाव पड़ा और फ्रांसीसी क्रांति का जन्म हुआ।
भविष्य में दासों की मुक्ति और महिला मताधिकार के माध्यम से प्रगतिशील परिवर्तनों की यह यात्रा जारी रही।

· ब्रिटेन
· आयरलैंड
· भारत
पर इसके प्रभावों की भी चर्चा करें

प्रभावों निष्कर्ष लिखें।

2

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1	1	0.25	—		
Grade	B	C	C	B	—		

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

18. "अगर स्टेट्स जनरल की बैठक नहीं होती तो फ्रांसीसी क्रांति की शुरूआत भी नहीं हुई होती।" उक्त कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं? (250 शब्द) 12.5

"If the meeting of Estate General wouldn't held then french revolution couldn't have been started." To what extent you agree with the above mentioned statement. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

फ्रांसीसी क्रांति कोई पूर्वनियोजित क्रांति नहीं थी और विभिन्न कारणों के समुच्चय से घटित हो गई थी परन्तु क्रांति के विभिन्न कारण वर्षों से एकत्रित हो रहे थे. जैसे

1. अतिव्ययी अराजकता (Prodigal Anarchy)
   राजा व सामंतवर्ग की विलासिता।
2. आम जनता का शोषण।
   - टाइथ, टैले, गैबेल व नमककरोपे कर
3. देश का जीवन राजधानी में केंद्रित होना।
4. चर्च का अत्यंत शक्ति व संपत्ति वान होना।
5. रूसो, वॉल्टेयर, मांटेस्क्यू के स्वतंत्रता, समानता, बंधुत्व के विचारों का प्रसार।
6. सामंतवादी समाज के अंदर से पूंजीवादी व मध्यवर्गीय शक्तियों का उदय।

स्टेट्स जनरल की भूमिका और फ्रांसीसी क्रांति के ऊपर इसके प्रभावों की स्पष्ट चर्चा करें।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

ऐसे में स्ट्रेस ग्नाले की बैठक ने इन कारकों को अभिव्यक्ति दी। यदि स्ट्रेस ग्नाले की बैठक न हुई होती तो भी किसी न किसी रूप में ये कारक अभिव्यक्ति अवश्य पाते। स्थान और समय भिन्न होता [illegible] [illegible].

1

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

दृष्टि The Vision
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	—	1/2	—	0.5	—	—	—
Grade	—	D	—	A	—	—	—

Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. "यद्यपि 17वीं-18वीं सदी में इंग्लैंड में हो रहे सामाजिक, आर्थिक एवं तकनीकी रूपांतरणों ने भावी औद्योगिक क्रांति का आधार तैयार कर दिया था, फिर भी इसमें प्राणवायु का संचार भारत द्वारा ही किया गया।" टिप्पणी कीजिये। (250 शब्द) 12.5

"Though the social, economic and technical transformation in 17th-18th century England laid the future base for the industrial revolution, still the life breath came from India only." Comment. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

औद्योगिक क्रांति में विज्ञान और तकनीक एक दूसरे के समीप आ गए। वाष्प-इंजन, स्पिनिंग जेनी व पावरलूम जैसे प्रयोगों ने ब्रिटेन की उत्पादन शक्ति को अत्यन्त ही बढ़ा दिया।

इसकी पृष्ठभूमि में ब्रिटेन की समाजार्थिक परिस्थितियाँ भी थीं यथा - सामंतवाद का पतन, बाड़ेबंदी कानून का समापन, अतिरिक्त श्रम की उपलब्धता, पूंजीवादी मूल्य, संसदीय व्यवस्था आदि।

परन्तु दासों के त्रिपक्षीय व्यापार और उपनिवेशों से मिलने वाले लाभ ने भी औद्योगिक क्रांति को बल प्रदान किया।

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

इससे ब्रिटेन को आवश्यक पूंजी मिली। साथ ही औद्योगिक उत्पादों के लिए एक नियंत्रित बाजार मिला, यहाँ से कच्चा माल भी उन्हें उनके मनचाहे दामों में मिल सकता था और निरंकुश सत्ता के प्रयोग से एक गैर-बराबरी की प्रतिस्पर्धा को आकार दिया गया।

इस प्रकार औद्योगिक क्रांति में भारत की भी भूमिका प्रत्यक्ष है।

मॉडल उत्तर देखें।

2

प्रश्न की मांग के अनुसार उत्तर की ओर स्पष्ट चर्चा करें।

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

![logo: दृष्टि The Vision]

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks		1	2	2.5			
Grade		[illegible]	Q	B			

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।
(Please do not write anything except the question number in this space)

20. क्या आप मानते हैं कि 'ब्रेस्ट लिटोवस्क की संधि' लेनिन की एक गंभीर भूल थी? तर्कपूर्ण उत्तर दें। (250 शब्द) 12.5

Do you consider 'the treaty of Brest Litovsk' was a gross mistake of Lenin? Answer logically. (250 words) 12.5

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।
(Please don't write anything in this space)

'ब्रेस्ट लिटोवस्क की संधि' से लेनिन ने क्रांति के पश्चात् तत्कालीन रूस को प्रथम विश्वयुद्ध से अलग कर लिया।

परन्तु जर्मनी के साथ इस संधि में इसे निम्न हानियाँ हुई-
- क्षेत्रीय हानि।
- मुआवजा देना पड़ा।
- राष्ट्रीय सम्मान में कमी।
- अंतर्राष्ट्रीय भूमिका सीमित हुई।

संधि की पृष्ठभूमि की और स्पष्ट चर्चा करें

रूस को तात्कालिक लाभ

1. क्रांति को संपन्न होने का समय व संसाधन मिले।
2. क्रांतिविरोधियों का दमन
3. साम्राज्यवाद से उपजे युद्ध से स्वयं को

संधि के सकारात्मक पक्षों की और स्पष्ट चर्चा करें

- हथियारों एवं अन्य संसाधनों का अभाव
- विद्रोह
- आशंका को टालना

641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

अलग कर रूस ने वैचारिक पक्ष रखा।
4 युद्ध के व्यय व हानि से बचाव।

इस रूप में 'ब्रेस्ट लिटोवस्क' की संधि लेनिन की एक गंभीर भूल नहीं अपितु समय की आवश्यकता थी। क्योंकि युद्ध और क्रांति साथ- साथ असंभव थे।

3½

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें।

(Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें।

(Please don't write anything in this space)

	Introduction	Context	Content	Language	Current Link / Examples	Conclusion	Error
Marks	0.25	1.5	1	0.25	—	0.25	
Grade	B	B	C	B	—	B	

Feedback

Questions ....

Model Answer & Answer Structure ....

Evaluation ....

Staff ....

Copyright – Drishti The Vision Foundation

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

दृष्टि The Vision
641, प्रथम तल, मुखर्जी नगर, दिल्ली-9
दूरभाष : 011-47532596, 8750187501 (+91) 8130392354, 8130392356
ई-मेल: helpline@groupdrishti.com, वेबसाइट: www.drishtiIAS.com
फेसबुक: facebook.com/drishtithevisionfoundation, ट्विटर: twitter.com/drishtiias

Copyright – Drishti The Vision Foundation

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

There are ***TWENTY*** *questions printed both in* ***HINDI*** *and in* ***ENGLISH***.

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

रफ कार्य के लिये स्थान

(Space for Rough Work)

Copyright – Drishti The Vision Foundation